मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BEYE–026

बी. एस-सी. (एप्लाइड साइंस-एनर्जी)

(बी. एस-सी. ए. ई. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.ई.वाई.ई.-026 : वैदिक गणित के अनुप्रयोग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है।*

(ii) प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) सभी उत्तर एक ही भाषा (हिन्दी/अंग्रेजी) में लिखना आवश्यक है।

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4×10=40

1. प्राचीन भारतीय गणित के उद्‌भव एवं विकास पर लेख लिखिए।

2. 'एकन्यूनेन पूर्वेण' को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. 'निखिलं नवतः चरमं दशतः' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।

4. प्राचीन भारत के कालगणना मापक यंत्रों पर प्रकाश डालिए।

5. सूर्य सिद्धान्त में प्रतिपादित त्रिकोणमिति पर लेख लिखिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए। 5×6=30

1. वराहमिहिर

2. सिद्धान्त ग्रंथों में कालगणना

3. गुणितसमुच्चयः

4. प्राचीन भारत में अंकगणित का विकास

5. एकाधिकेन पूर्वेण

6. ऊर्ध्वतिर्यग्भ्याम्

× × × × ×